क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना
चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

कई विश्वासियों को यह जानकर आश्चर्य होता है कि “ईस्टर” शब्द बाइबल में लगभग नहीं मिलता कम से कम आज के अर्थ में नहीं। असल में, पवित्र शास्त्र में केवल “पास्का” (हिब्रू: पेसाख, ग्रीक: पास्का) का उल्लेख है, जो एक पवित्र और उत्सवपूर्ण त्योहार है, जिसे परमेश्वर ने स्वयं स्थापित किया था।

तो “ईस्टर” शब्द कहां से आया, और क्या ईसाइयों को इसे मनाना चाहिए?

“ईस्टर” शब्द की उत्पत्ति

“ईस्टर” शब्द बाइबल से नहीं, बल्कि पौराणिक (हैदनिक) जड़ों से आता है। विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों के अनुसार, यह नाम एक सैक्सन उर्वरता देवी “Ēostre” (या ऑस्टारा) से जुड़ा है, जिसकी प्राचीन उत्तर यूरोप में पूजा होती थी। वह वसंत, उर्वरता, और सूर्योदय की देवी थी जो नए जीवन और पुनर्जन्म के प्रतीक थे।

“ईस्टर” शब्द “पूर्व” (Osten) से निकला है, जिसका अर्थ है वह दिशा जहां सूरज उगता है। प्राचीन हैदनिक पूजा में पूर्व दिशा को पवित्र माना जाता था। मंदिर और वेदी अक्सर पूर्व की ओर बनाये जाते थे, क्योंकि माना जाता था कि वहां से आशीर्वाद और नई शुरुआत आती है।

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना
चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

हैदनिक लोग वसंत विषुव (मार्च या अप्रैल) के समय इस देवी की पूजा करते थे, बलिदान, उर्वरता समारोह, उत्सव और नृत्यों के साथ। यह समय यहूदी पास्का त्योहार से अक्सर मेल खाता था जो बाइबिल में स्थापित और पवित्र है।

हैदनिक परंपराएं ईसाइयत में कैसे आईं

जब ईसाइयत यूरोप में फैल रही थी, तो चर्च के नेताओं को पुरानी हैदनिक परंपराओं से निपटना था। इन्हें पूरी तरह खत्म करने के बजाय, कुछ नेताओं ने इन्हें ईसाई सच्चाइयों के साथ जोड़ दिया ताकि धर्मांतरण आसान हो।

इस तरह यीशु के पुनरुत्थान के साथ “ईस्टर” के उर्वरता उत्सव जुड़ गए। समय के साथ पुनरुत्थान रविवार को “ईस्टर” कहा गया, और ऐसे रीति-रिवाज जैसे ईस्टर अंडे और खरगोश जो उर्वरता के प्रतीक हैं ईसाई परंपरा में आ गए, हालांकि इनका कोई बाइबिलीय आधार नहीं है।

बाइबिलीय आधार: पुनरुत्थान, न कि “ईस्टर”

ईसाइयों के लिए मौसम या अंडे-खरगोश नहीं, बल्कि यीशु मसीह के ऐतिहासिक और शक्तिशाली पुनरुत्थान का महत्व है।

यह हमारा विश्वास का आधार है। पौलुस लिखते हैं:

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना
चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

“यदि मसीह नहीं जिंदा हुआ, तो आपकी सेवा व्यर्थ है; आप अभी भी अपने पापों में हैं।”
— 1 कुरिन्थियों 15:17 (ERV-HI)

पुनरुत्थान साबित करता है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है (रोमियों 1:4) और हमें अनन्त जीवन की आशा देता है।

प्रारंभिक चर्च इसे “ईस्टर” नहीं, बल्कि “प्रभु का दिन” कहता था, खासकर पास्का के बाद का रविवार। वहां विश्वासी एकत्र होकर उपासना, रोटी तोड़ने और पुनर्जीवित उद्धारकर्ता की स्मृति मनाते थे (प्रेरितों के काम 20:7; प्रकाशितवाक्य 1:10)।

“ईस्टर” मनाने में क्या समस्या है?

यीशु के पुनरुत्थान का उत्सव मनाना गलत नहीं है बल्कि यह केंद्र है। लेकिन खतरा तब है जब:

पौराणिक परंपराओं से एक पवित्र घटना को मनाया जाए,
पुनरुत्थान को सांसारिक रीति-रिवाजों से गलत तरीके से प्रस्तुत किया जाए, एक आध्यात्मिक स्मृति सांस्कृतिक उत्सव में बदल जाए।

अगर ईसाई “ईस्टर” को दुनिया की तरह शराब, नाच-गाना, अतिभोज या

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना
चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

खरगोश के साथ मनाएं, तो वे मसीह की अवमानना कर सकते हैं और ऐसे आत्मा से जुड़ सकते हैं जो सुसमाचार के विपरीत है।

पौलुस चेतावनी देते हैं:

“और इस युग की रीति में न घुल-मिलो, परन्तु अपनी सोच को नया
कर लो।”
— रोमियों 12:2 (ERV-HI)

ईसाइयों को पुनरुत्थान कैसे मनाना चाहिए?

हमें बाइबिलीय सत्य को सांस्कृतिक शोर से अलग करना होगा। चाहे दुनिया इसे जो नाम दे, हमें इसे पुनरुत्थान रविवार के रूप में अपनाना चाहिए एक ऐसा दिन:

श्रद्धा और आनंद के साथ उपासना करने का,
पुनरुत्थान की शक्ति पर विचार करने का,
मसीह के साथ अपने संबंध को नया करने का,
सुसमाचार की आशा साझा करने का,
हर दिन पुनर्जीवित उद्धारकर्ता की शक्ति में जीने का।

यह उत्सव आध्यात्मिक, पवित्र और मसीह-केंद्रित होना चाहिए, न कि

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना
चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

पुरानी परंपराओं या सांस्कृतिक रूझानों पर।

नाम हमें परिभाषित नहीं करते — सत्य करता है

कुछ कहते हैं, “यह तो सिर्फ एक नाम है, हम यीशु का जश्न मना रहे हैं।” यह आंशिक रूप से सही है। हम “ईस्टर” नाम की पूजा नहीं करते, बल्कि पुनर्जीवित मसीह की करते हैं।

दुनिया ने इस शब्द को अपवित्र किया हो, फिर भी ईसाई पुनरुत्थान रविवार को इकट्ठा हो सकते हैं, जब तक ध्यान यीशु पर है न कि पौराणिक परंपराओं पर।

आप ऐसा भी कह सकते हैं: आपका जन्मदिन भी किसी ऐसे दिन हो सकता है जब पौराणिक लोग कुछ गलत मनाते थे। यह आपके जन्मदिन को खराब नहीं करता। मायने रखता है कि आप उस दिन क्या करते हैं।

अंतिम विचार: एक पवित्र दिन, कोई मेला नहीं

चलिए ईसाई इतिहास के सबसे पवित्र क्षण के प्रति सावधानी रखें। जब हम पुनरुत्थान का उत्सव मनाएं, तो शुद्धता, उद्देश्य और जुनून के साथ।

जब हम मनाएं, तो परमेश्वर के वचन के साथ।
जब हम इकट्ठा हों, तो मसीह की उपस्थिति में।

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

जब हम खुश हों, तो क्योंकि मृत्यु पर विजय मिली है!

पौराणिक “ईस्टर की आत्मा” को त्यागो। पुनरुत्थित मसीह को अपनाओ।

सारांश:

“ईस्टर” शब्द पौराणिक है और बाइबल में नहीं है।
बाइबिलीय त्योहार पास्का है, जो हमारे पास्का मेमने यीशु की ओर इशारा करता है (1 कुरिन्थियों 5:7)।
पुनरुत्थान की पूजा पवित्र होनी चाहिए, सांसारिक रीति-रिवाजों से नहीं।
ईसाई इस दिन को दुनिया के नहीं, मसीह की आत्मा में मनाएं।

“मसीह, हमारा पास्का मेमना, बलिदान हुआ है; इसलिए हम त्योहार मनाएं … सच्चाई और पवित्रता के साथ।”
— 1 कुरिन्थियों 5:7-8 (ERV-HI)

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

क्या “ईस्टर” बाइबल में है? क्या ईसाइयों को इसे मनाना चाहिए?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

Share on:
WhatsApp